†[THE DEPUTY MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. M. THOMAS): (a) Mr. N. W. Pirie has made a five weeks study of the possibilities of making protein for human food from lush vegetation in India. He has suggested a systematic research project designed to explore the potentialities of leaf-protein. Mr. Pirie's report is under examination.

(b) A domestic method of recovering protein from green leaf has been developed by Prof. B. C. Guha and his co-workers at the Calcutta University and was demonstrated in the Food Pavilion at the World Agriculture Fair 1959-60.

The matter concerning development of leaf protein is at present in an experimental stage.]

OPENING OF TELEGRAPH OFFICE AT BARODA CITY

346. SHRI MAGANBHAI S. PATEL: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state whether Government propose to open a telegraph office in Baroda City?

THE MINISTER OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (DR. P. SUBBARAYAN): Yes. A departmental telegraph office with mechanised working is expected to be opened at Baroda shortly.

बम्बई बन्दरगाह के निकट तलछट की गति का अध्ययन

३४७. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि बम्बई बन्दरगाह के निकट तलछट की गति के सम्बन्ध में केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसन्धान केन्द्र द्वारा रेडियो-ऐक्टिव ट्रेसर की सहायता से जो अध्ययन किये गये उनके अन्तिम परिणाम क्या है और उन परिणामों का क्या उपयोग किया जा रहा है ?

†[STUDY OF SEDIMENT MOVEMENT NEAR BOMBAY PORT

347. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state the final results of the studies undertaken by the Central Water and Power Research Station with regard to the sediment movement near Bombay Port with the help of a radio-active tracer and the use to which those results are being put?]

परिवहन तथा संचार मंत्रालय के राज्य-मंत्री (श्री राज बहादुर) : बम्बई बन्दरगाह में रेडियो ऐक्टिव ट्रेसर द्वारा किये गये परीक्षण का उद्देश्य मलाबार प्वाइंट के उत्तर पश्चिम में तीन मील दूरी पर चुने गये उस स्थल की उपयुक्तता की पुष्टि करना था जो बम्बई बन्दरगाह के मुख्य मुहाने से खोदे गये कचरे को फेंकने के लिए पूना रिसर्च स्टेशन में किये गये जलीय नमूने के परीक्षण के आधार पर चुना गया था। उक्त रेडियो ऐक्टिव परीक्षण से इस स्थल की उपयुक्तता की पुष्टि हुई है।

किन्तु यह स्थल उस क्षेत्र से बहुत दूर था जहां से कचरा साफ करना था और चूंकि वहां तक कचरे को लाने में अधिक व्यय होता इसलिये जलीय नमूने के आधार पर की गयी खोज के उपरान्त दो अन्य स्थल चुने गये जो पहले चुने गये स्थल के मुकाबले में बन्दरगाह से आठ मील अधिक पास थे। जलीय नमूने के आधार पर की गयी खोज की उपयुक्तता रेडियो ऐक्टिव परीक्षण द्वारा पहले ही प्रमाणित की जा चुकी है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI RAJ BAHADUR): The object of the radio-active tracer experiment carried out at Bombay Harbour was to confirm the suitability of a site three miles

†[ ] English translation